बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-268
09/08/2019

मुख्यमंत्री के समक्ष जल संसाधन विभाग का प्रस्तुतीकरण

पटना 09 अगस्त 2019 :– 1 अणे मार्ग स्थित 'संकल्प' में मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के समक्ष जल संसाधन विभाग की विभिन्न योजनाओं की प्रस्तुति दी गयी। इरिगेशन स्कीम फॉर यूटिलाइजेशन ऑफ ट्रीटेड वाटर फ्रॉम सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी। जिसके अन्तर्गत प्रोजेक्ट एरिया, कॉसेप्ट ऑफ वाटर एप्लीकेशन के तहत बेउर, करमलीचक, सैदपुर, कंकड़बाग एवं पहाड़ी एस0टी0पी0 के बारे में बताया गया। गंगा वाटर लिफ्ट स्कीम फॉर मल्टीपरपस यूज इन राजगीर–नवादा–गया के बारे में भी विस्तारपूर्वक चर्चा की गयी। बैठक में कोसी–मेची इन्टरस्टेट लिंक प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी दी गयी कि इससे अररिया, पूर्णिया, कटिहार एवं किशनगंज जिले के दो लाख चौदह हजार हेक्टेयर कृषि क्षेत्र लाभान्वित होगा। डिसिलटेशन ऑफ चानन डैम के बारे में भी मुख्यमंत्री को जानकारी दी गयी। वर्ष 2019–20 में सिंचाई प्रक्षेत्र में कार्यान्वित की जाने वाली 26 महत्वपूर्ण योजनाओं की भी चर्चा की गयी।

बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के पानी के उपयोग के लिये कॉस्टली तरीका के बदले कम लागत वाली योजना बनायें। सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के पानी का उपयोग इरिगेशन के लिए किया जाय। यह सुनिश्चित किया जाए कि ट्रीटेड पानी किसी भी हाल में फिर से गंगा नदी में न जाने पाए, इसके लिए सिम्पल सिस्टम बनायें। इस ट्रीटेड पानी को इरिगेशन के लिए तालाब, गड्ढे इत्यादि में भी जमा किया जा सकता है। पटना के टाउन प्लानिंग के तहत निर्धारित ग्रीन एरिया में भी इस वाटर का उपयोग किया जा सकता है। एस0टी0पी0 के माध्यम से गंगा नदी को प्रदूषित होने से बचाना है। पटना शहर के लिये यह प्रयोग अगर सफल होता है तो राज्य में गंगा नदी के किनारे स्थित अन्य शहरों में भी इसका प्रयोग किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बरसात के दिनों में चार महीने तक गंगा नदी के पानी को लिफ्ट करके राजगीर, नवादा एवं गया में ले जाने के लिए प्लान बनाया जा रहा है। यह जल–जीवन–हरियाली का एक पार्ट रहेगा, इससे ग्राउंड वाटर भी रिचार्ज होगा। जल्द से जल्द विभागीय अधिकारी स्पॉट का सर्वे कर लें, साथ ही तेलंगाना राज्य के कोलेश्वर प्रोजेक्ट का अध्ययन कर लें ताकि इस योजना को कम लागत में बेहतर उपयोगी बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि चानन डैम का डिसिलटेशन जरुरी है। कमिटी वहां के सिल्ट की जाँच कर रही है और उसके रिपोर्ट के आधार पर उसके उपयोग की योजना बनाई जायेगी।

बैठक में जल संसाधन मंत्री श्री संजय झा, मुख्य सचिव श्री दीपक कुमार, विकास आयुक्त श्री सुभाष शर्मा, जल संसाधन विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री अरुण कुमार सिंह, वित्त विभाग के प्रधान सचिव श्री एस0 सिद्धार्थ, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह सहित जल संसाधन विभाग के वरीय अभियंतागण एवं अन्य वरीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

******